an>

Title: Need to take immediate measures to provide drinking water in drought affected regions in the country particularly in Rajasthan.

श्री ओम बिरला (कोटा) ः भारत में इस वर्ष राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों में भीषण गर्मी व सूखे के हालात उत्पन्न हो गये हैं। मैं जिस प्रदेश से आता हूं, उस राजस्थान के लिए अकाल व सूखा कोई नया विषय नहीं है किंतु इस वर्ष अप्रैल माह में जो विकट हालात देखने को मिल रहे हैं, वो अत्यंत ही चिंताजनक हैं। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भूजल स्रोत सूख चुके हैं। पश्चिमी राजस्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों से हज़ारो पशुपालकों को अन्यत्र पलायन करना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में हम सबके लिए यह चुनौती खड़ी हो गयी है कि इतनी वैज्ञानिक उन्नति के बावजूद किसी भी भौगोलिक क्षेत्र, चाहे वो महाराष्ट्र हो अथवा राजस्थान, वहां पर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय जल स्रोतों के माध्यम से दीर्घकालीन योजनाएं बनाई जाएं। हाल ही में, पश्चिमी राजस्थान में मीठे जल के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। मेरा आग्रह है कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर भूजल के अन्य स्रोतों का पता लगाने एवं जल के उपयोग के लिए विशेष कार्य योजना बनाए।

माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा ग्रामीण भारत के प्रत्येक गांव में नलों से पेयजल आपूर्ति का सपना तभी साकार होगा जब स्थानीय जल स्रोतों का ऑप्टिमम यूज करना हमारी योजनाओं में व लोगों की जीवन शैली में शुमार होगा।

राजस्थान, महाराष्ट्र सहित सूखा प्रभावित राज्यों की जनता दोहरी मार झेल रही है। एक ओर तो उन्हें पेयजल नहीं मिल पा रहा है, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में लोग फ्लोराईड, ऑर्सेनिक आदि युक्त दूषित पानी पीने को विवश हो रहे हैं।

मेरी केंद्र सरकार से पुरज़ोर शब्दों में मांग है कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अविलंब प्रबंध किए जाएं और देश के प्रत्येक नागरिक को शुद्ध पेयजल मिल सके। इस निमित्त दीर्घकालीन योजना भी शीघ्रातिशीघ्र लायी जाये तथा सूखा प्रभावित राज्य को विशेष वित्तीय पैकेज प्रदान करें, ताकि राजस्थान को दोबारा हरा-भरा बनाया जा सके।